मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 208 ■ शुक्रवार, 8 नवंबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

Ulhas Vikas Android App on Google play Install now /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी बने चुनावी मुद्दे

- राज करने वाले नहीं दे पाए मूलभूत सुविधाएं
- 1990 से 2019 तक भाजपा व कालानी के बीच हुई टक्कर
- सिंधी समाज का वर्चस्व रहा विधानसभा में
- कालानी 5 बार जबकि आयलानी दो बार बन चुके हैं विधायक
- सन 2008 में उल्हासनगर-4 व 5 अंबरनाथ व कल्याण पूर्व में समलित हुआ

करण बोधा

उल्हासनगर। आगामी 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। 1990 से लेकर 2019 तक भाजपा व कालानी के बीच ही टक्कर देखने को मिली है। पप्पू कालानी चार बार विधायक बने और एक बार उनकी पत्नी ज्योति कालानी विधानसभा चुनाव जीत चुकी है। यानी करीब 5 बार कालानी, जबकि भाजपा से सीतलदास हरचंदानी तीन बार और कुमार आयलानी दो बार चुनाव जीते हैं। इस बार भी भाजपा व कालानी में ही मुकाबला देखने को मिल रहा है। उल्हासनगर विधानसभा चुनाव में हमेशा से ही सिंधी समाज का वर्चस्व रहा है। इस बार भाजपा व कालानी को टक्कर देने के लिए अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी (गंगोत्री) मैदान में हैं।

ज्ञात हो कि 2008 में उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र का परिसीमन बदलने के बाद यह क्षेत्र तीन हिस्सों में बंट गया है। 2009 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान उल्हासनगर-4 क्षेत्र के वार्ड 23 से 26, 43, 52 से 55 वार्ड कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चले गए और उल्हासनगर-4 व 5 के वार्ड क्र. 14 से 22 व वार्ड 44 से 51 वार्ड अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र में आ गए और उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में कैम्प 1, 2, 3, म्हारल, वरप व कांबा रहे। 2009 से 2019 में तीन बार हुए चुनाव में कालानी व आयलानी के बीच ही टक्कर हुई और हार जीत का फासला हमेशा कम होते गया। 2009 में आयलानी ने पप्पू कालानी को 7538 वोटों से हराया तो 2014 में ज्योति कालानी ने आयलानी को 1863 वोटों से हराया। आयलानी ने 2019 में ज्योति कालानी को 2004 वोटों से हराया। इस बार भी हार जीत का फासला बहुत ही कम वोटों से होगा। इस हार जीत में तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवार ही हमेशा खेल बिगाड़ता है। लेकिन अब स्थिति में बदलाव आया है शहरवासियों तक मूलबूत सुविधाएं पहुंचाने में सरकार विफल रही है। जिस कारण मूलभूत सुविधाओं के साथ भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी चुनावी मुद्दे बने हुए हैं। समस्याओं से त्रस्त लोगों को अब नए विकल्प की तलाश है क्या वो नए विकल्प की ओर जाएंगे।

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक 1962 से 2019 तक

1) 1962	परचाराम आयलानी (सोशलिस्ट पार्टी)	3210 वोटों से जीते	(कांग्रेस से हारे नेवंदराम गुरबानी)
2) 1967	सनमुख इसरानी (कांग्रेस)	13,432 से वोटों से जीते	(अपक्ष हारे परचाराम आयलानी)
3) 1972	सनमुख इसरानी (कांग्रेस)	5,932 से वोटों से जीते	(एबीजेएस हारे प्रल्हाद आडवाणी)
4) 1978	सीतलदास हरचंदानी (जनता पार्टी)	18,930 वोटों से जीते	(एआयएफबी से हारे परचाराम आयलानी)
5) 1980	सीतलदास हरचंदानी (भाजपा)	8,894 वोटों से जीते	(कांग्रेस से हारे गोप बहरानी)
6) 1985	सीतलदास हरचंदानी (भाजपा)	805 वोटों से जीते	(कांग्रेस से हारे राम तोलानी)
7) 1990	पप्पू कालानी (कांग्रेस)	54,215 वोटों से जीते	(भाजपा से हारे सीतलदास हरचंदानी)
8) 1995	पप्पू कालानी (अपक्ष)	55,334 वोटों से जीते	(भाजपा से हारे टेकचंद मीरपुरी)
9) 1999	पप्पू कालानी (अपक्ष)	34313 वोटों से जीते	(भाजपा से हारे सीतलदास हरचंदानी)
9) 2004	पप्पू कालानी (आरपीआय)	22,271 वोटों से जीते	(भाजपा से हारे कुमार आयलानी)
10) 2009	कुमार आयलानी (भाजपा)	7538 वोटों से जीते	(अपक्ष हारे पप्पू कालानी)
11) 2014	ज्योति कालानी (राकांपा)	1863 वोटों से जीते	(भाजपा से हारे कुमार आयलानी)
12) 2019	कुमार आयलानी (भाजपा)	2004 वोटों से जीते	(राकांपा से हारी ज्योति कालानी)

13) 2024 से कौन भाजपा से कुमार आयलानी, राकांपा से ओमी कालानी या फिर अपक्ष भारत राजवानी (गंगोत्री)

मतदाताओं की संख्या

2,80,852	कुल मतदाता
1,50,401	पुरुष
1,30,349	महिलाएं
102	तृतीयपंथी
1601	वरिष्ठ नागरिक
865	विकलांग
108	सेवा मतदाता

उल्हासनगर के होटल में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

- 14 पीड़ित महिलाओं का रेस्क्यू
- ठाणे पुलिस की कार्रवाई

उल्हासनगर. पुलिस उपायुक्त शिवराज पाटिल ने बुधवार को जानकारी दी कि उल्हासनगर के एक होटल में कुछ महिलाओं और युवतियों से देह व्यापार का धंधा कराने वाले होटल के मैनेजर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 14 पीड़ित महिलाओं को उनके चंगुल से छुड़ाया गया है और 2 लाख 75 हजार की नकदी बरामद की गई है.

ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नरेश पवार को उल्हासनगर के सफायर इन होटल में आने वाले ग्राहकों से जानकारी मिली कि पैसे के लिए विदेशी लड़कियों और महिलाओं को बेचा जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर, उपायुक्त पाटिल, सहायक आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में, पवार की टीम ने 6 नवंबर, 2024 को होटल सफायर इन पर छापा मारा और 14 पीड़ित महिलाओं और लड़कियों को बचाया।

पता चला कि होटल में आने वाले ग्राहकों से पैसे लेकर लड़कियों को बेचने की पेशकश की जा रही थी. इस कार्रवाई में एक मैनेजर, दो वेटर और 23 ग्राहकों के खिलाफ सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. बचाई गई महिलाएं बांग्लादेशी हैं या विदेशी नागरिक या कैसे? पुलिस ने बताया कि इस संबंध में जांच की जा रही है.

योगी आदित्यनाथ की प्रचार सभा को नहीं मिली जगह

- गोल मैदान में चल रहा है सत्संग
- 15 नवंबर तक बुकिंग
- शहर में एक बड़े मैदान की जरूरत

उल्हासनगर. महानगर पालिका ने शहर के एकमात्र बड़े स्टेडियम को 15 नवंबर तक सत्संग के लिए किराए पर दे दिया है, इसलिए चुनाव के दौरान राजनीतिक नेताओं की सभा कहां हो? ऐसा सवाल राजनीतिक दलों के सामने खड़ा हो गया है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदिनाथ योगी को सड़क पर या छोटे हॉल में सभा करनी पड़ेगी क्योंकि उनकी सभा के लिए कोई मैदान उपलब्ध नहीं है.

उल्हासनगर पश्चिम में कैंप नंबर-3 में गोल मैदान, दशहरा मैदान और एक निजी सेंचुरी मैदान है। इनमें दशहरा मैदान अब इतिहास बन गया। गोलमैदान सत्संग कार्यक्रम के लिए 15 नवंबर तक किराए पर है. सेंचुरी मैदान के लिए किसी निजी व्यक्ति से अनुमति आवश्यक है। चूंकि शहर के पूर्व में वीटीसी मैदान में शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के नाम पर एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खड़ा है, इसलिए यह मैदान भी उपलब्ध नहीं है।

कैंप नंबर-5 स्थित दशहरा मैदान में यदा-कदा बैठकें आयोजित की जाती हैं। बीजेपी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रचार सभा करना चाहती है. कोई बड़ा मैदान नहीं होने के कारण अंटालिया के हॉल में सभा करने की बात चल रही है. शिंदेसेना नेता गोपाल लांडगे ने महायुति बैठक के दौरान यह भावना व्यक्त की कि शहर में एक बड़ा मैदान होना चाहिए.

नेरल-माथेरान ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू

कल्याण. सेंट्रल रेलवे ने बुधवार, 6 नवंबर से लोकप्रिय नेरल-माथेरान नैरो गेज ट्रेन सेवाओं को फिर से शुरू की है. बहाल की गई सेवाओं में नेरल-माथेरान मिनी ट्रेन और माथेरान-अमन लॉज शटल दोनों शामिल हैं, जिसका उद्देश्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए माथेरान के सुंदर हिल स्टेशन की यात्रा को आसान बनाना है.

नेरल-माथेरान मिनी ट्रेन दोनों दिशाओं में प्रतिदिन दो बार चलेगी. नेरल से माथेरान के लिए डाउन ट्रेनें सुबह 8.50 बजे और 10.25 बजे रवाना होंगी, जो क्रमशः सुबह 11.30 बजे और दोपहर 1.05 बजे माथेरान पहुँचेंगी. माथेरान से नेरल के लिए अप ट्रेनें दोपहर 2.45 बजे और शाम 4 बजे निर्धारित हैं, जो शाम 5.30 बजे और शाम 6.40 बजे नेरल पहुँचेंगी. प्रत्येक ट्रेन में छह कोच होंगे, जिसमें तीन द्वितीय श्रेणी, एक प्रथम श्रेणी कोच और दो द्वितीय श्रेणी-सह-सामान वैन शामिल हैं.

इसके अतिरिक्त, माथेरान-अमन लॉज शटल सेवा प्रतिदिन कई बार संचालित होगी, शनिवार और रविवार को अतिरिक्त सेवाएँ होंगी. सभी शटल सेवाओं में मुख्य नेरल-माथेरान लाइन के समान कोच व्यवस्था होगी. सीआर के जनसंपर्क विभाग ने यह अपडेट साझा करते हुए कहा कि फिर से शुरू करने का उद्देश्य माथेरान क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों और स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करना है.

टिकट की जानकारी

यात्री नेरल और अमन लॉज (शटल सेवा के लिए) में टिकट दुकानों से अपने टिकट बुक कर सकते हैं. नेरल में काउंटर प्रस्थान से 45 मिनट पहले खुलता है. भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर ऑनलाइन टिकट बुक किए जा सकते हैं. टिकट की कीमत प्रथम श्रेणी के लिए 300 रुपये और द्वितीय श्रेणी के लिए 75 रुपये है. बच्चों के टिकट की कीमत प्रथम श्रेणी के लिए 180 रुपये और द्वितीय श्रेणी के लिए 45 रुपये है.

उल्हासनगर में पंकजा मुंडे की सभा

उल्हासनगर. उल्हासनगर यानी यूएसए उद्योगों का घर है और वह बचपन में वहीं से सामान खरीदा करती थीं. यह कहना है भाजपा नेता पंकजा मुंडे का. उन्होंने औद्योगिक गैंगस्टरों की मुक्ति के लिए भाजपा उम्मीदवार के साथ खड़े होने की भी अपील की।

गुरुवार को उल्हासनगर टाउन हॉल में बीजेपी नेता पंकजा मुंडे की बैठक आयोजित की गई. मुंडे ने बैठक में कहा कि आपके स्वाभिमान के लिए लाडली बहिन योजना जारी रहेगी. उल्हासनगर एक व्यस्त शहर है और यूएसए के रूप में प्रसिद्ध है।

उन्होंने याद दिलाया कि इस शहर की चीजें बचपन में हमारे घर आती रही थीं। लेकिन शहर को गैंगस्टरों से मुक्त कराने के लिए भाजपा उम्मीदवार के पीछे खड़े होने की अपील की।

16 नवंबर को उद्धव ठाकरे की ठाणे-कल्याण-डोंबिवली में 3 सभाएं

- उल्हासनगर में नहीं होगी कोई सभा

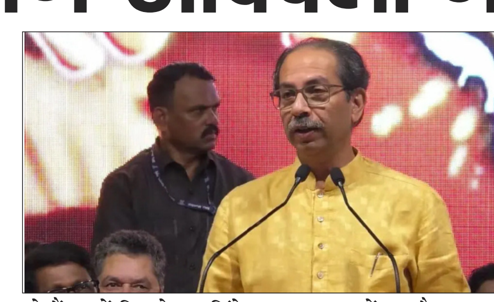

कल्याण. ठाणे जिले में विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए सभी राजनीतिक दल पदाधिकारियों की बैठकें, प्रचार सभा और सार्वजनिक सभा करने की योजना बना रहे हैं. ये बैठकें ठाणे, कल्याण और डोंबिवली शहरों में होंगी। लेकिन उल्हासनगर में उनकी कोई सभा नहीं होगी. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के जिले में होने वाली इन बैठकों में उद्धव ठाकरे क्या कहेंगे, इस पर सबकी नजर है.

ठाणे जिले में कुल 18 विधानसभा क्षेत्र हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में 244 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं. इनमें शिवसेना (शिंदे गुट), शिव सेना (ठाकरे गुट), बीजेपी, एनसीपी (शरद पवार गुट), एनसीपी (अजित पवार गुट), समाजवादी पार्टी, एमआईएम और अन्य पार्टियों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं। कुछ स्थानों पर दो-तरफ़ा, कुछ स्थानों पर तीन-तरफ़ा और कुछ स्थानों पर चौतरफ़ा टक्कर देखी जा रही है. सभी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार की जीत के लिए प्रचार की रणनीति बना रहे हैं और इसके तहत पदाधिकारियों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी तरह, ठाणे जिले में तीन स्थानों पर शिवसेना (ठाकरे समूह) पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की सार्वजनिक बैठकें आयोजित की गई हैं।

16 नवंबर को उद्धव ठाकरे ठाणे जिले में कुल तीन सभाएं करेंगे. इसके मुताबिक दो विधानसभा क्षेत्रों डोंबिवली और कल्याण ग्रामीण के लिए पहली सभा डोंबिवली में दोपहर 1 बजे होगी. कल्याण पूर्व, अंबरनाथ, कल्याण पश्चिम जैसे तीन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विधानसभा शाम 5 बजे कल्याण पूर्व में होगी। तो, बैठक शाम 7 बजे ठाणे शहर में चार निर्वाचन क्षेत्रों, ठाणे, कोपरी-पचपखाडी, ओवला-मजीवाड़ा, ऐरोली के लिए होगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के जिले में होने वाली इन बैठकों में उद्धव ठाकरे क्या कहेंगे, इस पर सबकी नजर है.

अंबरनाथ में चुनाव प्रचार को जोर नहीं

- किणीकर का डोर-टू-डोर प्रचार, तो वानखेड़े खामोश
- मुकाबला दोनों के बीच निश्चित

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा में चुनाव है या नहीं, पता नहीं चल पा रहा है. किसी भी पक्ष के उम्मीदवार को प्रचार करते हुए, रैली अथवा वाहनों पर लगे भोंगे से प्रचार करते हुए देखा नहीं जा रहा है. शिवसेना शिंदे गट के डॉ. बालाजी किणीकर ने डोर-टू-डोर वोटरों से मुलाकात करके अपना प्रचार शुरू किया है. शिवसेना उबाठा के राजेश वानखेड़े तो बिल्कुल भी खामोश हैं. इस निर्वाचन क्षेत्र से कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं. महाविकास आघाड़ी एवं महायुति गठक पक्ष के नेताओं ने अभी तक ये नहीं बताया है कि उनकी तरफ से कौन सा मुख्य नेता प्रचार के लिए अंबरनाथ में आ रहा है.

गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार शहर पश्चिम में महाविकास आघाड़ी के वानखेडे को अच्छा प्रतिसाद मिलता हुआ देखा जा रहा है. सोशल मीडिया पर भी लोगों से ये पूछा जा रहा है कि किसको कितने वोट मिलेंगे. उसमें भी वानखेडे बाजी मारते देखे जा रहे हैं. आपको याद होगा कि 2014 के चुनाव में भी आखिरी राउंड में किणीकर ने वानखेड़े को केवल 1800 वोटों से हराया था. क्या तारीख फिर से वैसे ही दोहराई जाएगी? ऐसी चर्चा शहर में है. लेकिन किणीकर और वानखेड़े में मुकाबला टफ होगा, ऐसा देखा जा रहा है. रिक्शा वाले भी वानखेड़े के समर्थन में मैदान में उतर गए हैं. प्रचार को केवल 10 दिन रह गए हैं. 18 नवंबर की शाम में उम्मीदवार का प्रचार बंद हो जाएगा. 20 को मतदान है.

ठाणे जिले में मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी

- 20 दिनों में जिले में 73 हजार नए मतदाता पंजीकृत

ठाणे. विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में पिछले 20 दिनों में ठाणे जिले में 73 हजार 611 नए मतदाता पंजीकृत हुए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद से अब तक 4 लाख 28 हजार 95 मतदाता पंजीकृत हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव में लिंगानुपात 848 था, जो अब 880 पर पहुंच गया है। इसलिए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन महिला मतदाताओं का पंजीकरण कराने में सफल हो गया है।

विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में ठाणे जिला प्रशासन की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रशासन द्वारा क्रियान्वित मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम 68 लाख 1 हजार 244 था। इसके बाद भी आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त समीक्षा कार्यक्रम की घोषणा की गयी। इस कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के पंजीकरण में 3 लाख 54 हजार 484 नये मतदाताओं की वृद्धि हुई। 16 अक्टूबर को जिला प्रशासन की ओर से नई वोटर लिस्ट की सूचना जारी कर दी गई। बताया गया कि 18 विधानसभा क्षेत्रों में 71 लाख 55 हजार 728 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 38 लाख 13 हजार 264 पुरुष और 33 लाख 41 हजार 70 महिला और 1 हजार 394 अन्य मतदाता शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा. जिला निर्वाचन निर्णय अधिकारी एवं कलेक्टर अशोक शिंगारे ने मंगलवार को नई सूची जारी की है. इसमें स्पष्ट हुआ कि 73 हजार 611 नये मतदाता बढ़े हैं। महज 20 दिनों में यह वोटर बढ़ गया है। इस तरह मतदाताओं की संख्या बढ़कर 72 लाख 29 हजार 339 हो गयी है। इसमें 38 लाख 45 हजार 42 पुरुष और 33 लाख 82 हजार 882 महिलाएं और 1 हजार 415 अन्य शामिल हैं।

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 2,83,379 मतदाता

18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या अब 1 लाख 72 हजार 1 लाख 72 हजार 981 हो गयी है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 38 हजार 149 और 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 56 हजार 979 हो गयी है.जिले में अधिकांश मतदाता ओवला-मजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से हैं। इस क्षेत्र में 5 लाख 45 हजार 110 मतदाता हैं। जबकि सबसे कम मतदाता उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में हैं। यहां 2 लाख 83 हजार 379 मतदाता हैं।

विधान सभा प्रत्याशियों का डिजिटल प्रचार पर जोर

- रील स्टार, यूट्यूबर्स की मांग बढ़ी;
- सोशल मीडिया के जरिए लाखों की कमाई

मुंबई. राज्य में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और प्रचार जोर-शोर से शुरू हो गया है. चुनावों से पहले, राजनीतिक दल अपनी पार्टी को बढ़ावा देने और मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर जोर दे रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले रील्स स्टार्स और यूट्यूबर्स की डिमांड है।

कुछ साल पहले, विभिन्न राजनीतिक दल और स्वतंत्र उम्मीदवार सड़कों पर कारों, रिक्शा और अन्य वाहनों में लाउडस्पीकर के साथ, अपने चुनाव चिन्ह वाले झंडे लेकर प्रचार करते थे, लेकिन जब से सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ा है, डिजिटल प्रचार में तेजी आई है। अब हर पार्टी और उम्मीदवार अपने-अपने स्तर पर सोशल मीडिया के जरिए भी जमकर प्रचार करते नजर आ रहे हैं. प्रमोशन के लिए व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स, व्हाट्सएप का इस्तेमाल बढ़ गया है। इस वर्ष, अभियान की लड़ाई मुख्य रूप से सोशल मीडिया पर लड़ी जा रही है। ऐसे में जिन युवाओं के सोशल मीडिया पर अच्छे फॉलोअर्स हैं वे इस बार 'करोड़पति' बनने जा रहे हैं। प्रमुख राजनीतिक दलों ने एक लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले सैकड़ों फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज, यूट्यूब चैनल खरीदने की योजना बनाई है। पारिश्रमिक का निर्धारण फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज, यूट्यूब चैनल के कितने फॉलोअर्स और पहुंच का मूल्यांकन करके किया जाता है। वर्तमान में यह दर प्रति फॉलोअर 3 से 4 रुपये है। फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज औसतन एक से दो लाख रुपये में खरीदे जा रहे हैं. यह पेज प्रदेश में हजारों की संख्या में बिक चुका है। पार्टियां इन पेजों को खरीदकर लक्षित मतदाताओं को प्रभावित करने का काम कर रही हैं।

'रील्स स्टार' का मूवमेंट

चुनाव में रील के स्टार की काफी डिमांड है. कई लोकप्रिय रील स्टार को प्रमोशनल रील बनाने के लिए पार्टियों द्वारा कमीशन दिया जा रहा है। बड़ी रीलों में अभिनय की लागत अधिक होती है; लेकिन लोकल रील्स स्टार को अच्छा भुगतान भी मिल रहा है। रील्स स्टार्स प्रमोशनल रील्स बनाने और उन्हें पोस्ट करने के लिए 3 से 4 लाख रुपये चार्ज कर रहे हैं। तो इस साल लोकल रील्स स्टार भी मालामाल हो रहे हैं.

पोस्ट करें, भुगतान पाएं!

सोशल मीडिया पर अच्छा लिखने वाले युवाओं को भी काम मिल रहा है। फेसबुक, ट्विटर पर प्रभावी लेखकों को कुछ पारिश्रमिक लेकर उम्मीदवारों के समर्थन में पोस्ट करने के लिए कहा जाता है।

चुनाव आयोग की नजर

बदलते डिजिटल युग में, चुनाव प्रचार के पारंपरिक तरीकों की जगह सोशल मीडिया ने ले ली है। ऐसे में सोशल मीडिया के जरिए कैंपेन और उसके खर्च पर निगरानी रखना एक बड़ी चुनौती है. इसलिए चुनाव आयोग डिजिटल प्रचार पर कड़ी नजर रख रहा है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

चुनाव की तारीखों में बदलाव

मतदाताओं की सुविधा-असुविधा का खयाल रख कर अगर चुनाव की तारीखें तय की जाती हैं, तो उस पर किसी को आपत्ति नहीं होगी, मगर इसके पीछे कोई मजबूत कारण न हो तो यह शक का आधार बनने लगता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल विधानसभा की चौदह सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों के लिए निर्वाचन आयोग ने तय तारीखें बदल कर नई तारीख बीस नवंबर निर्धारित कर दी है। कुछ पर्व-त्योहारों के मद्देनजर मतदान के कार्यक्रम में इस बदलाव के लिए कुछ राजनीतिक पार्टियों की ओर से मांग की गई थी।

बताया जा रहा है कि पहले निर्धारित तिथि पर लोगों को असुविधा होती और मतदान पर इसका असर पड़ता। जो हो, अब नई तारीख तय होने के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि उस दिन संपन्न होने वाले मतदान को लेकर सभी पक्ष संतुष्ट होंगे और किसी तरह के सवाल नहीं उठेंगे।

सवाल है कि पहले जब चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखें तय की थी, तब क्या उसे उस दौरान पड़ने वाले त्योहारों और उसकी वजह से मतदाताओं को होने वाली असुविधा का खयाल नहीं आया था! फिर, जो चुनाव कार्यक्रम तय किए जाते हैं, उसमें पर्व-त्योहारों को ध्यान में रख कर बदलाव करने के मामले में क्या समदृष्टि का उपयोग किया जाता है? उत्तर प्रदेश, पंजाब या केरल जैसे राज्यों में चुनाव के दौरान अगर कुछ पर्व-त्योहार आ रहे थे, तो यह कोई नई और अचानक पैदा होने वाली बाधा नहीं थी। निर्वाचन आयोग की ओर से जब चुनाव प्रक्रिया और मतदान की तारीखों का निर्धारण किया जाता है, तो इन पहलुओं का ध्यान पहले ही रखा जाता है।

विडंबना है कि इन उपचुनावों की घोषणा के बाद तय दिनों में मतदाताओं की असुविधा और मतदान पर पड़ने वाले असर की दलील पर कार्यक्रम में फेरबदल किया गया। हाल के वर्षों में चुनाव प्रक्रिया से लेकर परिणाम घोषित होने तक के मामले में पक्षपात सहित कई तरह के सवाल उठते रहे हैं। अब अगर मतदान की तारीखों में भी फेरबदल को लेकर इस तरह के ऊहापोह दिखने शुरू होंगे तो आम लोगों में चुनावों को लेकर भरोसा पैदा करना मुश्किल होगा।

ट्रम्प की जीत को लेकर इमोशनल होने की जरूरत नहीं

हम भारतीय लोग बहुत ज्यादा इमोशनल हैं। हमने डोनाल्ड ट्रंप या कमला हैरिस के पक्ष में अपने-अपने तर्क खोज लिए थे। यहां तक कि पूजा पाठ तक शुरू कर दिया था। लेकिन क्या डोनाल्ड ट्रंप की जीत से हम भारतीयों को बहुत खुश होने की जरूरत है? शायद नहीं! क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप हो या कमला हैरिस, दोनों भारत के हितों को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव मैदान में नहीं उतरे थे। दोनों ही नेताओं का लक्ष्य अपने देश में मतदाताओं के हितों की रक्षा करना था। अमेरिका में चुनाव परिणामों का असर भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है।

क्या अमेरिका में भारतीय सामान के निर्यात का रास्ता मुश्किल जायेगा? ट्रम्प तो यही कहते आए हैं कि आप्रवासी लोग हमारे लोगों की नौकरियां खा रहे हैं। ट्रम्प बार-बार यह बात कह चुके थे कि वे पहले अपने देश को ठीक करेंगे। उसकी सीमाओं को सुरक्षित करेंगे और वह वही करने वाले हैं।

ट्रम्प ने कहा था कि हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे हम जैसे लोगों की मदद की दरकार है। हम चाहते हैं कि हमें हमारे देश के लोगों को और बेहतर नौकरियां दे सकें। अवैध रूप से आव्रजन खत्म किया जाना चाहिए।

तो डोनाल्ड ट्रंप की जीत का साफ-साफ अर्थ है कि अमेरिकी आर्थिक नीतियां 'अमेरिका फर्स्ट' पर केंद्रित होगी। उसी तरह से आगे बढ़ाई जाएंगी। अपने पहले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के उद्योगों को अच्छा खासा संरक्षण दिया था और भारत और चीन सहित कई देशों के सामान पर भारी मात्रा में टैक्स लगा दिया था। याद है कि भारत में

अमेरिकी हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल के आयात पर ड्यूटी घटाने के लिए उन्होंने साफ-साफ कहा था।

चुनाव के प्रचार में उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे अमेरिका फर्स्ट का नारा आगे भी जारी रखेंगे और वे अमेरिकी माल और सेवाओं पर ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। भारत उसी के दायरे में आ सकता है।

ट्रम्प का मानना रहा है कि भारत (अमेरिका के) कारोबारी नियमों का बहुत ज्यादा उल्लंघन करता है। ट्रंप चाहते थे कि कोई भी चीज अगर अमेरिका से भारत आयात हो तो उस पर 20% तक ही टैक्स लगाया जाए, उससे अधिक नहीं।

भारत और अमेरिका के बीच कारोबार

भारत और अमेरिका के बीच करीब 200 अरब डॉलर का वार्षिक कारोबार होता है। अगर डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर टैक्स की दरें बढ़ा दी तो उसका नुकसान भारत को हो सकता है। ट्रंप की टैक्स नीतियों के बारे में कहा जाता है कि उससे 2028 तक भारत की जीडीपी में 0.1% तक की गिरावट हो सकती है। यानी 1% का दसवां हिस्सा हमारी जीडीपी का काम हो सकता है। भारत में अमेरिकी आयात भी महंगा हो सकता है।

ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका और चीन के रिश्ते काफी हद तक तनावपूर्ण हो गए थे। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंधों को और बल मिलेगा। इस बात को कहने के पीछे यही भावना है कि डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में क्वाड को मजबूती देते हुए दिखते थे।

क्वाड भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान 4 देशों का संगठन है। ट्रम्प के फिर राष्ट्रपति बनने से भारत में हथियारों आयात, भारत और अमेरिका की सेना के संयुक्त अभ्यास आदि में तेजी आ सकती है। इस स्थिति का भारत को फायदा होगा। डोनाल्ड ट्रंप के भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छे संबंध रहे हैं। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में राष्ट्रपति रहते हुए चीन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था।

डोनाल्ड ट्रंप की मानव अधिकार के बारे नीतियां रही हैं भारत के अनुकूल रही हैं। पुलवामा अटैक के दौरान भी उन्होंने साफ कहा था कि भारत को आत्मरक्षा के अधिकार का अमेरिका समर्थन करता है जबकि जो बाइडन प्रशासन भारत के मामले में नकारात्मक टिप्पणियां करता रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप बड़े और कड़े फैसले लेने के आदी हैं और दुनिया के कई देश उनके कार्य करने के ढंग से नाराज भी थे। ट्रम्प ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाया था। बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों, सिक्खों और दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय के बारे में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि मैं हिंदू, ईसाई और दूसरे धर्म के लोगों के खिलाफ हिंसा और लूट की कड़ी निंदा करता हूं। बांग्लादेश आज अराजकता की स्थिति में है।

हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में यह चुनाव करना है कि हम अपनी समस्याओं की ओर ध्यान देंगे या प्रभु की ओर।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अमेरिका की सत्ता डोनाल्ड ट्रंप के हाथ

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बाजी अपने नाम कर ली है। उन्होंने बहुमत के जरूरी आंकड़े से कहीं अधिक मत हासिल कर लिए हैं। सर्वेक्षणों में नतीजे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पक्ष में जाते दिख रहे थे। मगर मतदान के आखिरी दिन कांटे की टक्कर नजर आने लगी। ट्रंप को उन सात राज्यों में भी बढ़त हासिल हुई, जो पलटी मारने वाले राज्य यानी 'स्विंग स्टेट' माने जाते हैं। हालांकि ये नतीजे हैरान करने वाले नहीं हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी उसी वक्त कमजोर पड़ने लगी थी, जब ट्रंप के आक्रामक चुनाव प्रचार के सामने राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी अस्वस्थता के चलते शिथिल नजर आने लगे थे। उसके बाद कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया गया।

मगर पार्टी के भीतर ही उथल-पुथल शुरू हो गई थी। इस तरह कमला हैरिस को समय कम मिल पाया। हालांकि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी टक्कर दी और महिला मतदाताओं को लुभाने में कामयाब भी रहीं। मगर ट्रंप ने कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई और अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर बाइडेन सरकार पर निशाना साधा, और उसका असर वहां के मतदाताओं पर पड़ा। हालांकि इन मसलों पर ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी बहुत आक्रामक ढंग से काम किया था। उसी का प्रभाव था कि इस बार के चुनाव प्रचार में वहां के कई बड़े उद्योगपति भी उनके साथ मंच पर उतरे थे।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था हालांकि अब भी बहुत खराब नहीं है, मगर पहले की तुलना में उसकी रफ्तार धीमी जरूर

पड़ गई है। उस पर मंदी की मार है। महंगाई अब तक के पचास वर्षों में सबसे ऊपर पहुंच गई है। रोजगार के अवसर सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में ट्रंप ने वादा किया कि वे एक करोड़ अवैध प्रवासियों को देश से निकाल बाहर करेंगे, उन पर करोड़ों डालर खर्च हो रहा है, तो वहां के युवाओं में नए अवसर की उम्मीद जगी। पिछले कार्यकाल में भी उन्हें युवाओं का भरपूर समर्थन हासिल था।

इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप आक्रामक ढंग से प्रशासन चलाने में विश्वास करते हैं और आर्थिक नीति तथा विदेश नीति को लेकर उनका रुख स्पष्ट है। वे रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उसे रुकवा देंगे। इस तरह उन पर लोगों का भरोसा बना हुआ है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जिस तरह कई बार राजनीतिक और लोकतांत्रिक मर्यादाएं तोड़ीं, उसकी भरपाई वे कभी नहीं कर पाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के सामने जो आर्थिक चुनौतियां हैं, उनसे तो शायद वे पार पा लें, मगर विदेश नीति को लेकर उन्हें सदा संदेह की नजर से देखा जाता रहा है। चीन के प्रति उनका रुख बहुत सख्त है। इस वक्त दुनिया में जिस तरह के समीकरण हैं, उसमें वैश्विक दक्षिण की अहमियत बढ़ी है। भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कोई तनाव नहीं है, मगर चीन और रूस के साथ अमेरिकी रिश्ते तल्ख होंगे तो भारत के साथ भी समीकरण गड़बड़ होने का खतरा हो सकता है।

सबसे अहम बात कि अगर ट्रंप आव्रजन नीति में बदलाव करते हैं, तो वहां रह रहे भारतीय नागरिकों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। फिर, दुनिया में बढ़ रहे जलवायु संकट को लेकर ट्रंप संजीदा नहीं रहे हैं। पिछले कार्यकाल में ट्रंप के काम करने के तरीके पर लगातार सवाल उठते रहे। अगर इस बार भी उनका वही रुख रहेगा, तो उनका विवादों से बाहर निकलना मुश्किल होगा।

दुनिया के कौन-से देश में लोग खाते हैं सबसे ज्यादा चावल?

अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया का वो कौन-सा देश है, जहां के लोग सबसे ज्यादा चावल खाते हैं? आमतौर पर ज्यादा लोगों का उत्तर भारत

जरा हट के

होगा. लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है. आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां की जनसंख्या तो भारत से कम है, लेकिन वहां के लोग हमसे अधिक चावल खाते हैं. आइए जानें उस देश के बारे में जो दुनिया में सबसे ज्यादा चावल खाया जाता है.

घर पर होंगे तो चावल खाना ही है. लेकिन चावल पसंद करने वाले लोग किसी समारोह में भी जाते हैं, तो वहां पर चावल या पुलाव की तलाश करने लगते हैं. जैसे ही उनकी नजर इस डिश पर पड़ती है, वो अच्छे-अच्छे पकवान को छोड़कर चावल खाने के लिए टूट पड़ते हैं. ऐसे में अगर आप आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु में गए और आपके पास गर्म चावल-दाल

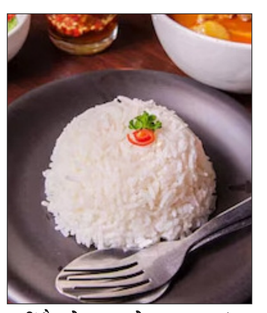

नहीं है, तो आपको चावल सांबर जैसा कुछ कॉम्बो खाना होगा. यहां तक कि जिन लोगों ने बाहर खाना खाया है, वे भी कई जगहों पर, यहां तक कि होटलों में भी चावल मिलने का इंतजार करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि किस देश के लोग सबसे ज्यादा चावल खाते हैं? अगर आपका उत्तर भारत है तो आपको बता दें कि आप गलत हैं. फिर कौन सा देश है, जहां के लोग भारत के लोगों से भी ज्यादा चावल खाते हैं? चावल खाने के मामले में सबसे टॉप पर चीन है. यानी चीन ही वो देश है, जहां के लोग दुनिया में सबसे ज्यादा चावल खाते हैं. विश्व का लगभग 30 प्रतिशत चावल चीन में उत्पादित होता है और खपत भी सबसे ज्यादा यही होता है.

चावल खाने के मामले में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है. यानी कि दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा चावल खाने वाला देश भारत है. उसके बाद तीसरे स्थान पर इंडोनेशिया है.

टॉप 3 चावल खाने वाले देशों के बारे में तो जान गए. लेकिन इस सूची में अगला स्थान बांग्लादेश का है. बांग्लादेश दुनिया का चौथा सबसे ज्यादा चावल खाने वाला देश है. इसके बाद वियतनाम, फिलीपींस और थाईलैंड हैं.

सोनपापड़ी खीर

खाना-खजाना

दिवाली पर अगर आपके घर भी सोनपापड़ी का ढेर इकट्ठा हो गया है और आप हो गए हैं उसे खा-खा कर बोर, तो एक बार ये सोनपापड़ी खीर की रेसिपी जरूर ट्राई करें। ये बनाने में भी बहुत सिंपल है और खाने में बहुत ज्यादा जायकेदार भी।

सामग्री

सोनपापड़ी खीर बनाने के लिए जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी वो हैं - सोनपापड़ी (500 ग्राम), फुल क्रीम दूध(1लीटर), घी (1चम्मच), इलायची पाउडर (आधा चम्मच), कटे हुए काजू (8-10), कटे हुए बादाम(5-10), थोड़े से कटे हुए पिस्ता और स्वादानुसार चीनी। इन सब सामग्रियों का इस्तेमाल कर के आप झटपट सोनपापड़ी की खीर बनाकर तैयार कर सकती हैं।

विधि :

सोनपापड़ी की खीर बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में एक चम्मच घी डालकर, इसमें कटे हुए ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, पिस्ता) को डालकर धीमी आंच पर हल्का सा भून लें। इसके बाद इन्हें एक

अलग प्लेट में निकाल कर रख दें। अब उसी कढ़ाई में 1 लीटर दूध डालें। अब 500 ग्राम सोन पापड़ी को हल्का सा क्रश कर के इसे दूध में डाल दें। गैस की आंच मीडियम रखें और बड़े चम्मच से इसे चलाते रहें। जब दूध हल्का सा पक जाए तब इसमें आधा चम्मच इलायची पाउडर डाल दें। थोड़ी देर और पकाने के बाद इसमें अपने स्वाद के अनुसार चीनी डाल दें। इस बात का ध्यान रखें की सोनपापड़ी मीठी होती है तो चीनी की मात्रा ज्यादा ना हो। अगर आप कम मीठा खाना पसंद करते हैं तो चीनी को स्किप भी कर सकते हैं। खीर को थोड़ी देर पकाने के बाद ऊपर से ड्राइफ्रूट्स डालकर, धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक खीर गाढ़ी ना हो जाए। इस तरह से आपकी स्वादिष्ट सोनपापड़ी खीर बनाकर तैयार हो जाएगी।

फ्रेंडशिप करने में होती है दिक्कत तो सुधार लें खुद की ये कमियां

त्योहार का सीजन आते ही हर किसी को फैमिली और फ्रेंड की याद आती है। खासतौर पर जब आप घर से दूर रहते हैं तो आसपास के दोस्त ही सबकुछ हो जाते हैं। लेकिन अगर आपके पास एक भी ऐसा दोस्त नहीं है जिसके साथ फेस्टिवल को एंज्वॉय किया जा सके। तो जरा खुद के अंदर झांके और महसूस करें कि कहीं आपकी ये कमियां तो नहीं जिम्मेदार। जिनकी वजह से दोस्त बनाना मुश्किल लगता है।

अपने बारे में ज्यादा बात करना

अगर आप किसी से बात करना शुरू करते हैं और अपनी पर्सनल बातों का चिट्ठा खोलकर

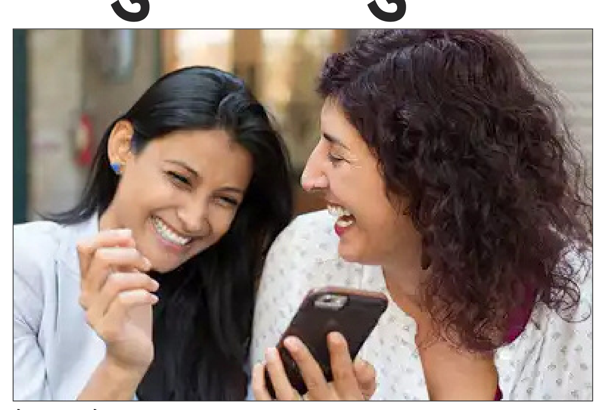

बैठ जाते हैं। तो इससे सामने वाले को आपमे इंटरेस्ट खत्म हो जाता है। हमेशा कन्वर्जेशन बराबर लेवल पर होना चाहिए। सामने वाले से सवाल करें और उसमे इंटरेस्ट दिखाएं।

सोशल होने में कमी

अगर आपको नये लोगों से बात करने में झिझक होती है और हमेशा कंफर्ट जोन में रहते हैं। हमेशा सोशल होने में, लोगों से मिलने में रुचि नहीं दिखाते तो इससे भी नए दोस्त नहीं बन पाएंगे। जब आप नए लोगों से मिलेंगे तभी कुछ दोस्त बन पाएंगे।

खुद नहीं कर पाते पहल

अगर आप किसी से बात करने के लिए खुद से पहल नहीं कर पाते और बार दूसरों की तरफ से फर्स्ट मूव का इंतजार करते हैं। तो ये आदत की कमी आपके दोस्त बनने के रास्ते में रुकावट है। कोशिश करें कि खुद से बात करना शुरू करें जिससे नए लोगों से मिलना-बातें करना आसान हो जाएगा।

खुल नहीं बात करना

अगर आप खुलकर बात नहीं करते, अपनी फीलिंग्स को किसी के भी सामने नहीं जाहिर करते, तो ये आदत भी नए दोस्त नहीं बनने देती। कुछ लोग जिन्हें हम खास समझते हैं वो आपसे उम्मीद करते हैं कि बातें शेयर करेंगे।

समय की कमी

हर वक्त काम और दूसरी चीजों में बिजी रहते हैं और सोशल होने का टाइम नहीं निकाल पाते तो अनजान शहर में नए दोस्तों का बनना मुश्किल है। इसलिए वक्त निकालें और कुछ आदतों में सुधार करें। जिससे कि कुछ नए दोस्त भी बन सकें और आप लाइफ को एंज्वॉय कर सकें।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

वृषभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क : मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यवसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

सिंह : आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं।

कन्या : धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक : किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। निवेश सोच-समझकर करें।

मकर : आज नौकरी में आपकी प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ : दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मोटापे से हैं परेशान तो ईसबगोल की भूसी करें ट्राई

इसबगोल की भूसी को साइलियम हस्क के नाम से भी जाना जाता है। यह एक प्रकार की भूसी है जो प्लांटैगो ओवाटा के पौधों के बीजों को पीसकर तैयार की जाती है। बाजार में ये पाउडर या कैप्सूल के रूप में आसानी से मिल जाती है। ये एक प्रकार का फाइबर है जो पानी में आसानी डिसोल्व हो जाता है। ये पेट से जुड़ी बीमारियों जैसे कब्ज, एसिडिटी अपच आदि को दूर करने में मदद करता है। आज हम जानेंगे कि इसका इस्तेमाल वेट लॉस करने के लिए कैसे किया जा सकता है।

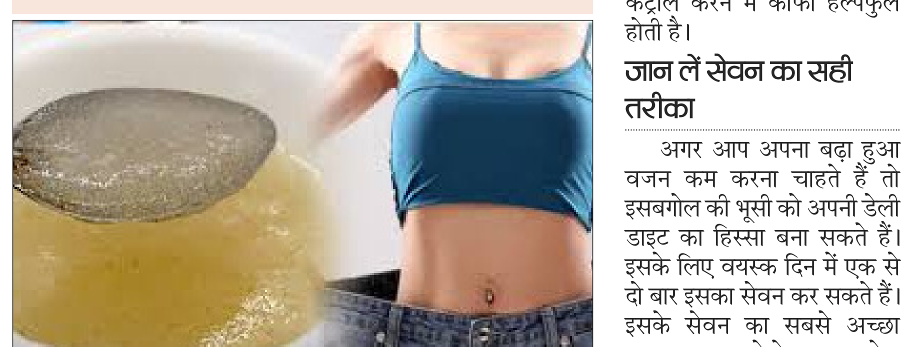

पाचन तंत्र को सुधार, वेट लॉस में करती है मदद

इसबगोल की भूसी पाचन सम्बन्धी परेशानियों को सही करने का एक बड़ा ही पॉपुलर घरेलू नुस्खा है। रात के समय नियमित तौर पर पानी में इसबगोल की भूसी मिलाकर पीने से पाचन तंत्र ठीक रहता है और कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं। इसके साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी ईसबगोल की भूसी काफी हेल्पफुल साबित हो सकती है। ईसबगोल की भूसी का रेगुलर सेवन करने से बॉडी फैट में भी कमी देखी जा सकती है।

वजन कम करने के लिए है बेस्ट ऑप्शन

इसबगोल की भूसी अपने आप में एक फाइबर है और फाइबर हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। फाइबर रिच फूड खाने से पाचन तंत्र तो ठीक रहता ही है साथ ही ये पेट को लंबे समय तक भरा हुए रखता है, जिससे भूख भी कम लगती है। ईसबगोल की भूसी में कैलोरी की मात्रा भी काफी कम होती है और ये फूड क्रेविंग को कंट्रोल करने में काफी हेल्पफुल होती है।

जान लें सेवन का सही तरीका

अगर आप अपना बढ़ा हुआ वजन कम करना चाहते हैं तो इसबगोल की भूसी को अपनी डेली डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसके लिए वयस्क दिन में एक से दो बार इसका सेवन कर सकते हैं। इसके सेवन का सबसे अच्छा समय खाना खाने के बाद का होता है। आप इसे पानी या जूस में मिलाकर पी सकते हैं। हालांकि इसे लेने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। अगर आप इसबगोल की भूसी का सेवन कर रहे हैं, तो पर्याप्त मात्रा में लिक्विड लेते रहें। साथ ही अगर आप किसी रेगुलर मेडिसिन पर हैं या कोई गर्भवती महिला है, तो इसका सेवन करने से पहले किसी चिकित्सक के सलाह जरूर लें।

छोटा सा ये पौधा है औषधीय गुणों की खान

आयुर्वेद में कई ऐसे साधारण पेड़-पौधों का जिक्र किया गया है जिनके पत्ते, फूल, टहनी और छाल आदि का इस्तेमाल कई दवाओं के निर्माण में किया जाता है. वहीं इन पेड़-पौधे से कई जटिल बीमारियों का उपचार भी किया जाता है. ऐसा ही एक नाजुक पौधा है छुई-मुई का जो ग्रामीण इलाकों में आपको कहीं भी आसानी से मिल जाएगा. इसे लाजवंती के नाम से भी जाना जाता है.

लाजवंती के पौधे से पेट संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया जाता है. इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं. यह पेट में हानिकारक कीड़ों और बैक्टीरिया को खत्म कर देता है. गांवों में लोग लाजवंती की पत्तियों को पीसकर इसे शहद के साथ खाते हैं जिससे पेट संबंधी कई तरह की समस्याओं का इलाज हो जाता है.लाजवंती के सेवन से पाचन तंत्र को भी फायदा होता है. यह पौधा पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है, जिससे पाचन सही रहता है और शुगर का स्तर संतुलित रहता है. लाजवंती की पत्तियां और जड़ें डायबिटीज के मरीजों के लिए दवा के समान है. लाजवंती की जड़ों के चूर्ण के सेवन से शुगर कंट्रोल में रहता है.

दर्द की अचूक दवा

डॉ. विनय खुल्लर ने बताया कि छुईमुई के पत्तों में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन और दर्द को कम करने में प्रभावी होते हैं. इससे चोट, मोच, और गठिया में लगाने से राहत मिलती है. इसके लिए लाजवंती के पत्तों को अच्छे से धोकर साफ कर लें और पेस्ट बनाकर प्रभावित जगह पर लगाना चाहिए.

कैसे करें उपयोग?

लाजवंती का उपयोग विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है. छुई मुई के पत्तों को उबाल कर आप इसकी चाय पी सकते हैं. छुई मुई के पत्तों को पीसकर उसका रस सुबह के समय पीना भी लाभदायक माना जाता है. इससे शुगर कंट्रोल होने में मदद मिलती है. छुई मुई के सूखे पत्तों को पीसकर पाउडर बना लें. इसको सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

चाचा ने तीन साल के भतीजे की कर दी हत्या

शाहजहांपुर. शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र के नगरिया भूड़ गांव में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना हुई। चाचा ने तमंचे से तीन साल के भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। बुधवार शाम नगरिया भूड़ गांव निवासी सहदेव तेज आवाज में गाने सुन रहा था। उसका भाई बलराम सिंह वर्मा फोन पर बात कर रहा था। बलराम ने सहदेव से आवाज कम करने को कहा लेकिन सहदेव ने अनसुना कर दिया। बलराम ने सीढ़ी लगाकर बिजली का कनेक्शन काट दिया। कनेक्शन काटने पर बलराम सिंह से उसके छोटे भाई शिवरतन ने नाराजगी जाहिर की तो दोनों भाइयों में कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते दोनों भाइयों में मारपीट हो गई। इसी दौरान बलराम अपने घर गया और तमंचा निकाल लाया। तमंचा देख शिवरतन ने अपनी पत्नी के साथ घर में घुसकर दरवाजे की कुंडी लगा ली, लेकिन शिवरतन का तीन साल का बेटा आदित्य बाहर ही रह गया। इसी दौरान बलराम ने गोली चला दी, जो बच्चे के सीने में लगी।

गोरखपुर में निर्माणाधीन फ्लाई ओवर का गार्डर गिरा, एसएसबी इंस्पेक्टर की दबकर मौत

गोरखपुर. गोरखपुर के नकहा में निर्माणाधीन फ्लाई ओवर से लोहे का गार्डर गिरने से नीचे दबकर बाइक सवार एसएसबी इंस्पेक्टर की मौत हो गई। जबकि उनके साथी इंस्पेक्टर घायल हो गए। मरने वाले इंस्पेक्टर की पहचान बिजेंद्र सिंह कोठारी के रूप में हुई है। वह उत्तराखंड के मूल निवासी हैं। एसएसबी हेड क्वार्टर गोरखपुर में कम्यूनिकेशन इंस्पेक्टर के रूप में तैनात थे। उनके साथ बाइक पर बैठे घायल मलय कुंड भी एसएसबी हेड क्वार्टर गोरखपुर में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। नकहा रेलवे क्रॉसिंग के पास खाद कारखान के तरफ जाने वाले रस्ते पर फ्लाई ओवर का निर्माणा चल रहा है। गुरुवार को करीब 10 क्रेन से लोहे का गार्डर उठा कर लगाया जा रहा था। गार्डर को बांध कर उठाने वाला चेन अचानक टूट गया और बाइक सवार एसएसबी के दोनों इंस्पेक्टर गार्डर की चपेट में आकर दब गये।

चोरी करने पर कर दिया 'मुंडन', चलती ट्रेन से कूद गए दोनों आरोपी

प्रयागराज. प्रयागराज में ट्रेन में सामान चुराते पकड़े गए दो युवकों को यात्रियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोपित युवकों के सिर के आधे बाल और मूंछे मुंड़वा दीं। ट्रेन में ही पिटाई की। दोनों युवक जान बचाने के लिए ट्रेन से कूद गए। बुधवार सुबह दोनों मेजा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर जख्मी हालत में मिले। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। आरपीएफ ने अस्पताल में भर्ती युवकों से पूछताछ की। अस्पताल पहुंचे आरपीएफ के दरोगा शैलेंद्र कुमार दुबे ने घायल युवकों से पूछताछ की। एक की सुनील कपरिया (गोरखपुर निवासी) और दूसरे की विकास कुमार (बिहार के आरा निवासी) के रूप में पहचान हुई।

'रद्द कर दूंगा अडाणी का प्रोजेक्ट'

- **घोषणा पत्र में उद्धव ठाकरे का बड़ा वादा;**

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आज (गुरुवार, 7 नवंबर) को अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें सभी छात्रों को मुफ्त शिक्षा और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने के आश्वासन दिया गया है। इसके साथ ही ठाकरे ने अपने घोषणा पत्र में अडाणी समूह को दिए गए धारावी पुनर्विकास परियोजना को भी रद्द करने का वादा किया है। ठाकरे ने कहा कि ज्यादातर चुनावी वादे विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाडी

(एमवीए) के घोषणापत्र का हिस्सा हैं, लेकिन कुछ बिंदु हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि शिवसेना, कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) वाला एमवीए गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी करेगा। ठाकरे ने आश्वासन दिया कि जिस तरह से राज्य में छात्राओं को सरकारी नीति के तहत मुफ्त शिक्षा मिल रही है, अगर एमवीए सत्ता में आता है तो इसे सभी छात्रों के लिए भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमवीए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को भी स्थिर रखेगा।

धारावी पुनर्विकास परियोजना के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे रद्द कर दिया जाएगा क्योंकि इसका बुरा प्रभाव मुंबई पर होगा। उन्होंने कहा कि तेजी से हो रहे शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र और मुंबई में भी आवास नीति होगी। ठाकरे ने कहा कि अगर एमवीए सत्ता में आता है तो वह कोलीवाड़ा और गौठानों के क्लस्टर विकास को रोक देगा और यह निवासियों को विश्वास में लेने के बाद किया जाएगा। शिवसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी रोजगार सृजन की दिशा में काम करेगी।

> **MVA टूटने पर भी ली चुटकी**
>
> - ठाकरे ने विपक्ष की सियासी साजिशों और अफवाह फैलाने पर कहा, ‡मैं चुनाव प्रचार के लिए मुंबई से बाहर जा रहा हूं, इसलिए मुंबई में महा विकास अघाड़ी की आगामी प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगर मैं शामिल नहीं होता हूं, तो कृपया यह नहीं समझना कि गठबंधन टूट गया है। हमने अब तक अपने सभी वादे पूरे किए हैं, चाहे वह बीएमसी से जुड़े रहे हों या राज्य सरकार से..।‡ शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी रोजगार सृजन की दिशा में काम करेगी। ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख लड़की बहन योजना का भी जिक्र किया, लेकिन इस बारे में ब्योरा देने से इनकार कर दिया कि चुनाव के बाद एमवीए के सत्ता में आने पर यह योजना जारी रहेगी या नहीं।

केंद्र ने पराली जलाने पर जुर्माना किया दोगुना

- **30 हजार तक देना होगा**
- **सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने जुर्माना बढ़ाया**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। पर्यावरण मंत्रालय ने गुरुवार को एक नोटिफिकेशन जारी करके इसकी जानकारी दी। अब 2 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ तक 10,000 रुपए और पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वालों पर 30,000 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली सरकार इन नियमों को लागू करने के लिए बाध्य होंगी।

दरअसल, 4 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पराली पर पंजाब-हरियाणा से 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले 23 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (EPA) के तहत नियम बनाने और जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए केंद्र सरकार को दो

हफ्ते का समय दिया था।

23 अक्टूबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट हरियाणा सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट नजर नहीं आया था। कोर्ट ने कहा कि हमें सख्त आदेश देने के लिए मजबूर न करें। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस ए अमानुल्लाह और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकार की खेतों में पराली जलाने से रोकने की कोशिशों को महज दिखावा बताया।

कोर्ट ने कहा कि अगर ये सरकारें वास्तव में कानून लागू करने में रुचि रखती हैं तो कम से कम एक केस तो चलना ही चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकारों को याद दिलाया जाए कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। प्रदूषण में रहना अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

आर्टिकल 370 वापसी के प्रस्ताव पर घिरी कांग्रेस

- **विधानसभा में बवाल के बाद भड़की भाजपा**

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को एक बार फिर घमासान हुआ। आर्टिकल 370 के मसले पर जमकर बवाल हुआ और मारपीट की नौबत आ गई। वजह यह थी कि बुधवार को इस बारे में एक प्रस्वात आया था और फिर गुरुवार को सुबह पोस्टर लहराए गए। इन पोस्टरों में आर्टिकल 370 वापसी की मांग की गई थी। इन्हें देखते ही भाजपा के सदस्य भड़क गए और जमकर बवाल मचा। इससे हाथापाई तक की नौबत आ गई। अब इसे लेकर भाजपा हमलावर है और उसके सीधे गांधी परिवार पर हमला बोला है। स्मृति ईरानी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ऐसा प्रस्ताव रखना भारत के संविधान के खिलाफ है। स्मृति ईरानी ने कहा,

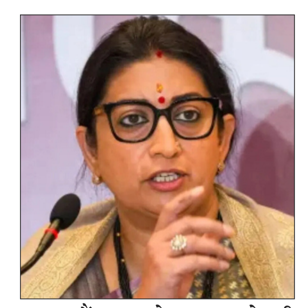

'आज मैं भारत के उस गुस्से की बात कर रही हूं, जो भारतीय संविधान के खिलाफ लोगों में है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले INDI अलायंस ने सदन में भारतीय संविधान के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया है। यह प्रस्ताव भारतीय संविधान के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट की राय की भी अवहेलना करता है। कांग्रेस की लीडरशिप में यह जो प्रस्ताव आया है, वह चिंता की बात है। इस पर गांधी परिवार को जवाब देना चाहिए।

> **भाजपा प्रस्ताव का कर रही तीखा विरोध**
>
> भाजपा की पूर्व सांसद ने कहा कि यह प्रस्ताव जम्मू-कश्मीर में दलितों, आदिवासियों, बच्चों और महिलाओं के खिलाफ है। कांग्रेस नेतृत्व को इस पर जवाब देना चाहिए। स्मृति ईरानी ने कहा कि हम भारत के नागरिकों को यकीन दिलाना चाहते हैं कि भाजपा आपकी लड़ाई लड़ेगी। आर्टिकल 370 वापस नहीं आ सकेगा। जम्मू-कश्मीर को देश से अलग करने के कोई भी प्रयास सफल नहीं होंगे। भाजपा इन लोगों के विरोध में हर वक्त रहेगी। बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आर्टिकल 370 की मांग को लेकर हंगामे का दौर दो दिनों से जारी है। एक तरफ पीडीपी इसे लेकर आक्रामक है तो वहीं कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस चुप्पी साधे हुए हैं। भाजपा प्रस्ताव का तीखा विरोध कर रही है।

ऐमेजॉन और फ्लिपकार्ट के वेंडर्स पर ऐक्शन

- **ईडी ने 16 ठिकानों पर की छापेमारी; क्यों कसा शिकंजा**

नई दिल्ली. ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी नामी ई-कॉमर्स कंपनियों से जुड़े कुछ विक्रेताओं पर ईडी ने छापेमारी की है। यह छापेमारी देश भर में 15 से 16 ठिकानों पर की गई है।

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की गई है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि एजेंसी ने कॉम्पिटिशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया की जांच के बाद यह ऐक्शन लिया है। सीसीआई ने अपने ऐक्शन में पाया था कि दनों कंपनियों ने स्थानीय प्रतिस्पर्धी नियमों का उल्लंघन किया है और गलत तरीके से सेलर्स को प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने की परमिशन दी है।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने अपनी जांच में पाया था कि इन कंपनियों ने ऐसे सेलर्स को छूट देकर नियमों का उल्लंघन किया है। इन सेलर्स ने बड़े पैमाने पर डिस्काउंट दिए और कई नियमों का उल्लंघन किया। इससे दूसरी कंपनियों को नुकसान पहुंचा। वहीं पीटीआई का कहना है कि ऐसे कुछ सेलर्स को लेकर जांच

की जा रही है, जिन्होंने ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट का इस्तेमाल किया। वहां पर उन्होंने नियमों का उल्लंघन करते हुए डिस्काउंट दिए। इन सेलर्स के वित्तीय लेनदेन पर एजेंसियों की नजर है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के अलग शहरों में छापेमारी हुई है। इसके अलावा कुछ और इलाकों में भी हुई है।

दिल्ली, गुरुग्राम, हैदराबाद, बेंगलुरु समेत कई शहरों में रेड मारी गई है। यह जांच फॉरेंस एक्सचेंज मैनेजमेंट ऐक्ट यानी फेमा के तहत की जा रही है। ईडी इस ऐंगल से जांच कर रही है कि कहीं उन सेलर्स ने अवैध वित्तीय लेनदेन तो नहीं किया है, जिन पर फ्लिपकार्ट और ऐमजॉन के गलत इस्तेमाल के आरोप लगे हैं। इनमें से ज्यादातर सेलर्स पर अवैध वित्तीय गतिविधियां करने का आरोप लगा है। फिलहाल इस मामले में ईडी या अन्य किसी सरकार एजेंसी की ओर से बयान नहीं आया है।

पंचतत्व में विलीन हुईं शारदा सिन्हा

पटना. लोक गायिका शारदा सिन्हा आज छठ के तीसरे दिन पंचतत्व में विलीन हो गईं। पटना के गुलबी घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अंशुमान ने मुखाग्नि दी, उसके बाद वो पैरों से लिपटकर रोने लगे। घाट पर 'शारदा सिन्हा अमर रहे' के साथ-साथ छठी मईया के जयकारे भी गूंजते रहे।

शारदा सिन्हा को छठ गीत से पहचान मिली। उनके गानों के बिना छठ महापर्व अधूरा माना जाता है। छठी माई की महिमा गाने वाली शारदा सिन्हा का पर्व के पहले दिन (मंगलवार को) दिल्ली एम्स में निधन हुआ था। उनके अंतिम सफर में उनका गाया आखिरी छठ गीत 'दुखवा मिटाई छठी मईया' बजा। ये गाना शारदा सिन्हा ने दिल्ली एम्स से ही रिलीज किया था।

कार के लाइसेंस पर 7500kg व्हीकल चलाने पर रोक नहीं

- **सुको ने 2017 का फैसला बरकरार रखा**
- **कहा- यह रोजी-रोटी से जुड़ा मुद्दा**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कार के लाइसेंस यानी लाइट मोटर व्हीकल (LMV) लाइसेंस होल्डर्स को 7,500 किलो तक वजन वाली गाड़ियां चलाने की परमिशन दे दी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई डेटा नहीं है, जो साबित करता हो कि LMV ड्राइविंग लाइसेंस होल्डर्स देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं।

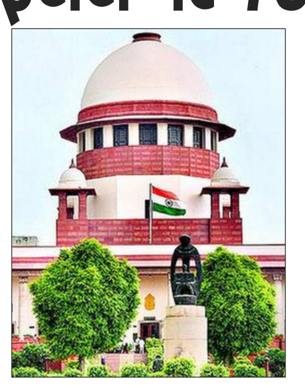

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली 5 जजों की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह मुद्दा LMV ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले ड्राइवरों की रोजी-रोटी से जुड़ा है। कोर्ट ने केंद्र से कानून में संशोधन प्रक्रिया जल्द पूरी करने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला बीमा कंपनियों के लिए झटका माना जा रहा है। बीमा कंपनियां हादसों में एक निश्चित वजन के ट्रांसपोर्ट व्हीकल के शामिल होने और नियम मुताबिक ड्राइवरों को उन्हें चलाने के लिए अधिकृत न होने पर क्लेम खारिज कर रही थीं। 18 जुलाई 2023 को सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच ने इस कानूनी सवाल से जुड़ीं 76 याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की थी। प्रमुख याचिका बजाज अलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की तरफ से दाखिल की गई थी।

> **सुप्रीम कोर्ट के फैसले की 3 खास बातें**
>
> - LMV और ट्रांसपोर्ट व्हीकल अलग-अलग वर्ग नहीं हैं। दोनों के बीच ओवर लैप मौजूद है। कानून को व्यावहारिक और काम में आने योग्य बने रहना चाहिए।
> - खतरनाक सामान ले जाने वाले वाहनों पर विशेष पात्रता लागू रहेगी।
> - बेंच ने यह भी कहा कि सड़क हादसों के पीछे लापरवाही से और तेज स्पीड में गाड़ी चलाना, सड़क का डिजाइन और ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन शामिल है। इसके अलावा ड्राइविंग करते समय मोबाइल का इस्तेमाल, सीट बेल्ट न लगाना और हेलमेट न पहनना भी दुर्घटना का कारण बनते हैं।

2017 के एक मामले से उठा था सवाल

दरअसल यह सवाल तब उठा, जब 2017 में मुकुंद देवांगन बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने एक फैसला सुनाया था। तब कोर्ट ने कहा था- ऐसे ट्रांसपोर्ट व्हीकल, जिनका कुल वजन 7,500 किलोग्राम से ज्यादा नहीं है, उन्हें LMV यानी लाइट मोटर व्हीकल की परिभाषा से बाहर नहीं कर सकते।

हेट स्पीच केस में फंसे मिथुन चक्रवर्ती

- **2 FIR दर्ज**
- **BJP ने TMC को घेरा**

कोलकाता. कोलकाता के पास साल्ट लेक इलाके में पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से भड़काऊ बयान देने के लिए अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये प्राथमिकियां 27 अक्टूबर को साल्ट लेक में स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में चक्रवर्ती के भाषण से संबंधित हैं। यह भाषण

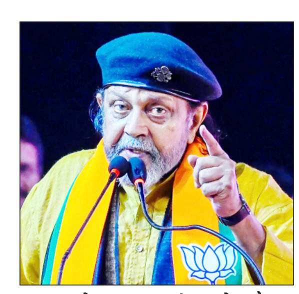

भाजपा के एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। शाह पार्टी के पश्चिम बंगाल सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के लिए कोलकाता में थे।

पहली प्राथमिकी एक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर बिधाननगर दक्षिण पुलिस थाने में जबकि दूसरी प्राथमिकी बहूबाजार पुलिस थाने में दर्ज की गई। बिधाननगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमने मामले की जांच शुरू कर दी है।'

पश्चिम बंगाल में भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में शाह भी मौजूद थे। शाह ने चक्रवर्ती को इस साल दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई भी दी थी।

प्राथमिकियां दर्ज होने पर चक्रवर्ती की ओर से प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने प्राथमिकी को 'प्रतिशोध की राजनीति' का परिणाम बताया।

गुजरात को मिल सकती है 2036 ओलिंपिक की मेजबानी

- **नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास 6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेंगे**
- **प्रोजेक्ट 3 लाख करोड़ का संभव**

भारत ने ओलिंपिक-2036 के लिए अपनी दावेदारी दर्ज करा दी है। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) ने अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक परिषद (IOC) को पत्र लिखा है। अगर भारत की दावेदारी सफल रही तो गुजरात के अहमदाबाद को 2036 ओलिंपिक की मेजबानी मिल जाएगी।

यह ऐतिहासिक मौका होगा, क्योंकि भारत पहली बार ओलिंपिक की मेजबानी करेगा। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम के आसपास 6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। यह प्रोजेक्ट 3 लाख करोड़ रुपए का हो सकता है।

साल 2036 में होने वाले ओलिंपिक के लिए 6,000 से 10,000 लोगों की कैपेसिटी वाला मल्टीपर्पज एरेना तैयार

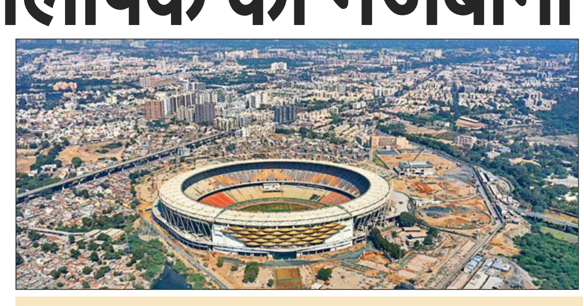

> **उद्घाटन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में संभव**
>
> ओलिंपिक 2036 के लिए 4600 करोड़ की लागत से 215 एकड़ में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव बनाया जा रहा है, जो ओलिंपिक का मुख्य फोकस पॉइंट होगा। गुजरात सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उद्घाटन समारोह नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्लानिंग 2036 की जरूरतों और लोगों की क्षमता को देखते हुए ही की गई है। अंतरराष्ट्रीय और पर्यावरणीय मानकों की भी स्टडी की गई है।

किया जाएगा। इसके अलावा 5 हजार लोगों की कैपेसिटी वाला रिंग ऑफ यूनिटी तैयार किया जाएगा, जहां गरबा, योग, उत्सव कर सकेंगे। यहां ओपन मार्केट भी होगा।

साथ ही 8 हजार लोगों की क्षमता वाला का एक मल्टीपर्पज इंडोर एरेना, 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला एक टेनिस सेंटर, तैराकी समेत अन्य खेलों के लिए 12 हजार लोगों की क्षमता वाला एक एक्वाटिक सेंटर बनाया जाएगा। 50,000 दर्शकों की क्षमता वाला एक फुटबॉल स्टेडियम भी बनेगा।

केंद्र सरकार ने खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए 631 करोड़ रुपए दिए हैं। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

छठ पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब, अस्ताचल भगवान सूर्य को अर्घ्य

मुंबई. महापर्व सूर्योपासना के तीसरे दिन गुरुवार की शाम तालाबों पर अस्ताचल भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य देने के लिए आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा था। व्रती महिलाएं छठ मैया की गीत गाते हुए तालाबों पर पहुंची थी और उन्होंने पूजा के लिए बनाई गई वेदी पर पूजन-अर्चन करने के बाद डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को शाम चार बजे से व्रती महिलाएं तथा उनके परिवार के अन्य

सदस्यों का मुलुंड पूर्व स्थित मोरया तालाब के लिए निकलने का क्रम शुरू हो गया। चार बजते-बजते घाट श्रद्धालुओं से पट गया। गीत के साथ की पूजा अर्चन घाटों पर पहुंचने के बाद व्रती महिलाएं बनाई गई वेदी को जल से धोने के बाद उस पर कलश की स्थापना की। इसके बाद वेदी पर ईख लगाने के बाद दीप और अगरबत्ती जलाकर छठ मइया के गीत के साथ पूजन-अर्चन शुरू की। प्रसाद से भरे सूप को लेकर व्रती महिलाओं के पानी में उतरने के बाद उनके परिवार के लोग भी पानी के बीच गए। अस्त होते हुए सूर्य को व्रती महिलाओं के पुत्र, पति, पुत्री सहित परिवार के अन्य सदस्यों की ओर से अर्घ्य दिया गया। परिवार में होती है सुख शांति घाट पर गए समाज सेवक राम प्रवेश गुप्ता ने कहा कि छठ मैया की पूजा से परिवार में सुख शांति के साथ समृद्धि में वृद्धि होती है। सूर्यदेव की कृपा होती है।

गोल्डन टेंपल में युवती ने किया सुसाइड

- **सातवीं मंजिल से कूदकर दे दी जान**

अमृतसर. अमृतसर स्वर्ण मंदिर परिसर में 25 साल की एक युवती ने आत्महत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, लड़की ने गुरुद्वारा बाबा अटल राय की सातवीं मंजिल से छलांग लगाई। अचानक हुई इस घटना से परिसर में सनसनी फैल गई। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवती का शव बरामद किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवती अकेले ही स्वर्ण मंदिर पहुंची थी और उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। लड़की के सुसाइड की वजह का भी पता लगाया जा रहा है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विशालजीत सिंह ने बताया कि युवती का शव सिवि अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। स्वर्ण मंदिर परिसर में स्थित सात मंजिला गुरुद्वारा बाबा अटल राय में जाने का सार्वजनिक समय सुबह 7.30 से 10.30 बजे तक था। युवती सुबह करीब 9.30 बजे बिल्डिंग पर चढ़ी और सातवीं मंजिल से छलांग लगा ली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, युवती स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने आई थी। सुबह 9.30 बजे वह गुरुद्वारा अटल राय साहिब की 7वीं मंजिल पर चढ़ गई और वहां से छलांग लगा दी। वह सिर के बल गिरी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद भगदड़ मच गई। गुरुद्वारा साहिब के सेवादारों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा और जांच शुरू कर दी है।

आत्महत्या करने वाली लड़की की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है लेकिन उसकी उम्र 25 साल के करीब है। आत्महत्या करने के कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

* अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर कनाडा में विभिन्न नेताओं ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। खालिस्तान समर्थक न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह ने इस अवसर पर एकता की अपील की और कहा कि 'देश सर्वोपरि है।'

आम सूचना

हम श्री वासुमल जिओमल कुकरेजा व श्री हरेश वासुमल कुकरेजा सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 602, छठा माला, करुणा अपार्टमेंट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 12बीआय015363800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती निर्मला मुरलीधर पंजाबी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 6.11.1996 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री वासुमल जिओमल कुकरेजा
व श्री हरेश वासुमल कुकरेजा

संक्षेप...

3 किलो गांजा, 65 ग्राम एमडी बरामद

भिवंडी. भिवंडी में 2 युवक से 90 हजार रुपये कीमत का 3 किलो गांजा एवं 2 लाख 5 हजार रुपये कीमत का 65 ग्राम एमडी मादक पदार्थ जप्त किया गया है. मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने बाबा हॉटेल न्यू आजाद नगर मुखबिर से 90 हजार रुपए कीमत का 3 किलो गांजा के साथ आरिफ अबरार अब्राहम सिद्दीकी को हिरासत में लिया. पुलिस की दूसरी छापेमारी में शहर पुलिस स्टेशन की टीम ने साक्रा देवी मंदिर के पीछे से आरसलान उर्फ जमान अब्दुल सलाम अन्सारी को गिरफ्तार कर 2 लाख 5 हजार रुपये कीमत का एमडी मादक पदार्थ जब्त किया है.

खोया हुआ आभूषण लौटाया

मुंबई. खोये हुए सामान ढूंढकर न सिर्फ उनके चेहरे पर ख़ुशी देने का काम कर रही है, बल्कि उन्हें मायूसी से उभारती भी है. इसी तरह का सराहनीय कार्य मानखुर्द पुलिस स्टेशन के पुलिस हवलदार विश्वास सोनवणे और अमोल दरेकर ने किया है. चेंबूर से मानखुर्द लल्लूभाई कंपाउंड में आ रहे संदीप आव्हाड अपना बैग ऑटो रिक्शा में भूल गए थे. दोनों अधिकारीयों ने रिक्शा चालक को महज दो घंटे में ढूंढकर पीड़ित का कीमती सामान जिसमें तीन तोले के आभूषण और अन्य था संदीप को लौटाने का काम किया है.

‘पवार राजनीति से कभी संन्यास नहीं लेंगे’

सुप्रिया सुले बोली - वे खाते-सोते, सांस लेते समय भी पॉलिटिक्स करते हैं; अजित से हाथ नहीं मिलाएंगे

मुंबई. नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-SCP के चीफ शरद पवार ने 5 नवंबर को राजनीति से संन्यास लेने के संकेत दिए थे। इसके एक दिन बाद यानी बुधवार को उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा है कि शरद राजनीति से सन्यांस नहीं लेंगे।

सुप्रियां ने 'द हिंदू' के एक इवेंट में कहा- शरद पवार खाते-सोते और सांस लेते समय भी राजनीति करते हैं। वे राजनीति के बिना नहीं जी सकते। राजनीति उनके लिए सबसे बड़ा टॉनिक है और वे इसे इन्जॉय करते हैं।

पवार साहब ने कहा था कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, इसका मतलब है कि वो लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसका मतबल ये नहीं कि वे राजनीति छोड़ देंगे। सिर्फ अजित पवार चाहते थे कि वे रिटायर हो जाएं।

उधर, अजित पवार को महाविकास अघाड़ी में शामिल करने और शरद गुट के साथ मिलाने को लेकर सुप्रिया ने कहा- अजित के साथ सुलह का सवाल ही पैदा नहीं होता। विधानसभा चुनाव के बाद भी हम उनके साथ हाथ नहीं मिलाएंगे।

जो हमारे साथ हुआ, वह किसी के साथ न हो -सुप्रिया

महाराष्ट्र में पिछले सालों में जो कुछ हुआ, मैं नहीं चाहती की वो अब कभी हो। जो हमारी पार्टी के साथ हुआ, वो किसी भी पार्टी के साथ नहीं होना चाहिए। आज से एक साल पहले हमारी कोई पार्टी नहीं थी। कोई सिंबल नहीं था। हमसे सब कुछ ले लिया गया था।

जब मैंने चुनाव लड़ा, तब फाइट आसान नहीं थी। लड़ना जरूर था, लेकिन जीतना जरूरी नहीं था। महाराष्ट्र चुनाव में आज पॉलिसी को लेकर चर्चा नहीं हो रही। कोई इकोनॉमी, विमेंस सेफ्टी पर चर्चा नहीं कर रहा है।

लोग बोल रहे थे हमारी पार्टी खत्म हो गई है। हालांकि, मामला अभी भी कोर्ट में है। यह अब हमारे लिए न्यू नॉर्मल बन गया है। कभी ED, कभी CBI, कभी कोई और संस्था से लड़ना पड़ता है, लेकिन अब यह न्यू नॉर्मल है।

इलेक्शन किसी को खुश करने के लिए नहीं होते हैं। यह पॉलिसी बनाने के लिए होते हैं। मेरी लड़ाई भाजपा के साथ है। अजित पवार अब भजपा के अलांयस में हैं, जो अच्छा काम नहीं कर रही है।

शरद पवार ने कहा था- कहीं तो रुकना पड़ेगा

84 साल के शरद पवार ने बारामती में 5 नवंबर को कहा, 'कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं।'

भिवंडी में भीतरी बनाम बाहरी का मुद्दा हो रहा गर्म

- पैराशूट प्रत्याशियों से नाराज दिख रहे मतदाता
- यार-दोस्तों से भी समर्थन नहीं करने की गुजारिश

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. विधानसभा चुनाव में भिवंडी शहर की दोनों विधानसभा सीटों पर भीतरी बनाम बाहरी उम्मीदवारों का मुद्दा गरमाने लगा है. अधिसंख्यक मतदाता बाहरी पैराशूट प्रत्याशी की बजाय भीतरी शहर के प्रत्याशी को ही समर्थन देने का मन बनाने लगे हैं. जागरूक मतदाताओं का कहना है कि, बाहरी पैराशूट उम्मीदवार को भिवंडी शहर का पूर्ण ज्ञान नहीं होने से विकास कार्य भी नहीं होता है. बाहरी उम्मीदवार का सिर्फ जाति, धर्म को विभाजित कर चुनाव जीतने पर ही ध्यान रहता है. जागरूक वोटरों की राय में प्रत्याशी होने के लिए शहर का ही रहिवासी होना बेहद जरूरी होता है.अधिसंख्यक प्रबुद्ध वोटरों की राय को माने तो, भिवंडी पूर्व विधानसभा एवं भिवंडी पश्चिम विधानसभा की सीटों पर भाग्य आजमा रहे पैराशूट प्रत्याशी वोट देने के कदापि काबिल ही नहीं हैं.

गौरतलब हो कि, विधानसभा चुनाव में मुस्लिम बहुल विधानसभा सीट मानी जाने वाली भिवंडी पूर्व से 5 वर्षों तक सपा विधायक रहे रईस कासम शेख मुंबई निवासी हैं.पूर्व विधायक रईस कासम शेख दुबारा चुनाव मैदान में खड़े हैं.महायुति प्रत्याशी संतोष शेट्टी को शहर का रहिवासी होने का भारी फायदा मिलने के आसार हैं. भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट पर भी कांग्रेस ने दमदार जनप्रिय प्रत्याशी पूर्व महापौर विलास आर पाटिल की मजबूत दावेदारी को सिरे से खारिज कर भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के रहने वाले दयानंद चोरघे को प्रत्याशी घोषित किया है जिसका कांग्रेस को भारी खामियाजा भोगना पड़ सकता है.एमआईएम ने भी भायखला के पूर्व विधायक वारिस पठान को प्रत्याशी घोषित कर वोटरों को बाहरी पैराशूट प्रत्याशी के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है.

कार्यकर्ताओं में दिख रही नाराजगी

कई राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी का इजहार करते हुए कहा कि, राजनैतिक पार्टी को आगे बढ़ाने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है. चुनाव में टिकट बाहरी उम्मीदवार को देकर निष्ठावान कार्यकर्ताओं का हक छीना जाता है. शहर में रहने वाले मेहनती नेता, कार्यकर्ता सिर्फ बाहरी पैराशूट प्रत्याशी का झंडा उठाकर नारा लगाते देखे जाते हैं. आगामी चुनाव में शहर में बाहरी उम्मीदवारों के खिलाफ तेजी से हवा बहने से इंकार नहीं किया जा सकता है. शहर का तमाम बुद्धिजीवी वर्ग बाहरी प्रत्याशी को दरकिनार कर सिर्फ विकास को प्राथमिकता देने वाले शहरी प्रत्याशी को ही एकतरफा वोट कर जिताने का मन बना रहे हैं.देखना बेहद दिलचस्प होगा कि, आगामी 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में दोनों सीटों पर भीतरी बनाम बाहरी का मुद्दा क्या रंग लाता है.

छठव्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

भिवंडी. भिवंडी में वराला देवी तालाब स्थित मोतीराम काटेकर घाट, फेना घाट, वराल देवी घाट,तिलक घाट नदी नाका, भादवड़ घाट, नारपोली तालाब पर छठी मैया यानी षष्ठी देवी को संध्या अर्घ्य दिया गया.ब्रती छठी मैया को भेंट करने के लिए अपने हाथों से पकवान और मिठाईयाँ बनाकर पूरे दिन उपवास रखकर शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पूजा की. सामग्रियों को लकड़ी के डाले में रखकर घाट पर लेकर आए और जल में कमर तक प्रवेश कर अस्त होते हुए सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया.उक्त मौके पर सेना शहर प्रमुख सुभाष माने, संतोष शेट्टी, उत्तर भारतीय सेवा संस्था अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह, छठ फाउंडेशन अध्यक्ष शिलानंद झा, कार्याध्यक्ष दीपक झा, उपाध्यक्ष उदय किशोर ठाकुर, समाजसेवक मनोज सिंह, मनीष मिश्रा,नंदलाल तिवारी, प्रेम तिवारी,मंगेश यादव, सतीश दूबे आदि मौजूद थे.आज सुबह फिर जल में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ मैया से परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं और गुनगुना दूध पीकर ब्रती पर्व का समापन करेंगे.

‘सत्ता मिली तो मस्जिदों से हटा देंगे लाउडस्पीकर’

अमरावती. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के चीफ राज ठाकरे ने बुधवार को अमरावती में एक रैली के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा और मस्जिदों पर लाउडस्पीकर लगाने का मुद्दा उठाया। मनसे चीफ ने कहा कि मुझे सत्ता दो, और मैं सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र में किसी भी मस्जिद पर एक भी लाउडस्पीकर न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम नेता मस्जिदों से फतवा जारी कर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए वोट मांग रहे हैं।

ठाकरे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के कार्यकाल के दौरान मस्जिदों के लाउडस्पीकर हटाने के लिए मजबूर किया था, जिसके कारण उनके समर्थकों के खिलाफ 17,000 मामले दर्ज किए गए थे।

नवनीत राणा की चुनाव हार के बाद की स्थिति को याद करते हुए राज ठाकरे ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने अमरावती की सड़कों पर खुलेआम जश्न मनाया। ठाकरे ने प्रशासन की निष्क्रियता की आलोचना की और चुनौती देते हुए कहा कि हमें सत्ता दो, और अगर मैं इन लाउडस्पीकरों को हटाने में विफल रहता हूं, तो मुझे जवाबदेह ठहराओ।

शरद पवार पर निशाना साधते हुए राज ठाकरे ने उन्हें “संत शरदचंद्र पवार” कहा और उन पर ओबीसी और मराठा समुदायों के बीच विवाद भड़काने का आरोप लगाया। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे द्वारा हाल ही में जिलों में शिवाजी महाराज के मंदिर बनाने के आह्वान पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या मूर्तियां पर्याप्त नहीं हैं कि हर जिले में मंदिर बनाए जाने चाहिए?

राज ठाकरे के बयान पर रामदास अठावले का पलटवार

वहीं राज ठाकरे के बयान पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि ये बार-बार ऐसे बयान ही देते हैं। वो मस्जिदों से लाउड स्पीकर नहीं हटा सकते हैं। अठावले ने कहा कि राज ठाकरे की सत्ता में वापसी को लेकर कहा कि वो सत्ता में नहीं आ सकते हैं, इसके लिए वो कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें।

छठपर्व पर भगवान सूर्य को व्रतधारियों ने दिया अर्घ्य

जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव, घटवा पे तीवई चढावले हो

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. मनपा की ओर से शहर में सभी घाटों पर छठ व्रतधारियों को भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उचित व्यवस्था किया गया है ।यह पूर्वांचल का आस्था का बड़ा पर्व है। वही राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विधानसभा चुनाव क्षेत्र कोपरी पाचपखाड़ी में स्थित रायलादेवी तालाब छठ पूजा सेवा समिति के संयोजक अध्यक्ष कुलदीप तिवारी की ओर से कई सालों से शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम किया जाता है ।इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का रहता है और वह स्वयं उपस्थित होकर पूजा अर्चना व व्रतधारियों का आशीर्वाद लेते हैं ।घाट पर टेंट, लाइट्स, साफ़-सफ़ाई, सुरक्षा आदि सभी चीजों का इंतजाम किया गया है ।वही

तालाब के दूसरी छोर पर पूर्वांचल एकता समिति छठ महोत्सव की ओर से महाआरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है ।मुख्यमंत्री शिंदे के निर्देशानुसार घाट पर पूर्व नागरसेक राम रेपाले,एकनाथ भोईर आदि पूर्व नगरसेवकों का विशेष ध्यान व सहयोग रहता है ।बड़ी संख्या में डूबते हुए सूर्य को छठ व्रतधारीयों ने दिया अर्घ्य ।इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की पत्नी लता एकनाथ शिंदे सम्मलित होकर छठ व्रतधारियों से आशीर्वाद लिया ।शहर में कोलशेत खाड़ी घाट, उपवन तालाब घाट, मासुंदा तालाब घाट, कलवा पूर्व में मोफतलाल तालाब घाट पर कार्यक्रम किया जाता है ।छठ माता पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष संजय(पप्पू)सिंह व रवी सिंह की ओर से कोलशेत घाट पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इस कार्यक्रम के संयोजक पूर्व नगरसेवक संजय देवराम भोईर है ।वही कलवा पूर्व में शांतिनगर, मोफतलाल तालाब पर पूर्वांचल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम किया जाता है।

महायुति प्रत्याशी संतोष शेट्टी की पदयात्रा में उमड़ी भीड़

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी पूर्व विधानसभा महायुति प्रत्याशी संतोष एम शेट्टी द्वारा भारी संख्या में समर्थकों की टीम के साथ पद्मा नगर क्षेत्र में पदयात्रा कर डोर टू डोर जाकर वोटरों से समर्थन की अपील की गई.चुनाव प्रचार की खातिर पद्मा नगर क्षेत्र में की गई पदयात्रा में भारी संख्या में महायुति कार्यकर्ता,समर्थक संतोष अन्ना आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ हैं का जोरदार नारा लगाते दिखाई पड़े.उक्त अवसर पर शिवसेना शिंदे गट शहर प्रमुख सुभाष माने, पूर्व पार्षद सुमित पाटील, आरपीआई जिलाध्यक्ष महेंद्र गायकवाड, पद्मशाली समाज भिवंडी अध्यक्ष रामाकृष्णा पोटाबत्तीनी, मलेशम कोका, राजेश शेट्टी, मोहन बल्लेवार, मोहन कोंडा, किशन कल्याणप, गाजेंगी, श्याम पाटिल, संजय काबूकर सहित भारी संख्या में महायुति समर्थक शामिल थे.

गौरतलब हो कि,भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट से महायुति शिवसेना प्रत्याशी संतोष एम शेट्टी के प्रचार के लिए हजारों पुरुष, महिला समर्थक एकत्रित होकर पदयात्रा में शामिल हुए.पदयात्रा के दौरान कई जगहों पर महायुति प्रत्याशी संतोष शेट्टी को विजय का तिलक लगाकर बुजुर्ग महिलाओं ने जीत का आशीर्वाद दिया.

पद्मा नगर मंदिर से संतोष शेट्टी ने पूजा कर प्रचार पदयात्रा का शुभारंभ किया. संतोष शेट्टी के साथ हजारों की संख्या में समर्थकों पदयात्रा कोंडा निवास, पद्मशाली समाज हाल, राजू चाल, धर्मा चाल, भाजी मार्केट, नीलकंठेश्वर मंदिर, सोनार पाड़ा, दासी अम्बा दास चौक, राम मंदिर, आचार्य नगर, गीता मंदिर, भैरी चौक से होकर महायुति शिवसेना जनसंपर्क कार्यालय पर समाप्त हुई.

सलमान के बाद शाहरुख खान को मिली धमकी

मुंबई पुलिस को आया कॉल

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को धमकी मिली है। खबर है कि मुंबई पुलिस को धमकी भरा मैसेज मिला है। फिलहाल, यह साफ नहीं हो सका है कि संदेश किसने भेजा है। कुछ दिनों पहले ही पुलिस ने एक और अभिनेता सलमान खान को धमकी देने के मामले में उत्तर प्रदेश के नोएडा से युवक को गिरफ्तार किया था।

खबर है कि बांद्रा पुलिस थाने में ही फोन आया था, जिसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 308 के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी का फोन सर्विलांस पर डाला गया तो पता चला कि यह छत्तीसगढ़ के रायपुर से आया था। पुलिस की एक टीम छत्तीसगढ़ रवाना हुई है। यह कॉल बांद्रा पुलिस के पास आया, जिसके बाद शाहरुख खान के स्टाफ को अलर्ट किया गया।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों को फैजान खान नाम के शख्स की तलाश है। धमकी देने के लिए कथित तौर पर फैजान के फोन का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में सूत्रों के

सलमान खान को धमकी देने के मामले में एक अरेस्ट

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में राजस्थान के एक व्यक्ति को बुधवार को कर्नाटक में पकड़ लिया गया और महाराष्ट्र पुलिस को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान भीखा राम (32) के रूप में हुई है, जिसे विक्रम के नाम से भी जाना जाता है और वह राजस्थान के जालौर का निवासी है। हावेरी के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया, ‘महाराष्ट्र एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ते) से प्राप्त सूचना के आधार पर हावेरी कस्बे में एक व्यक्ति को पकड़ा गया और आज उसे उनके हवाले कर दिया गया।’

नाबालिग लड़की का यौन शोषण

नवी मुंबई. पनवेल के पेठगांव इलाके में रहने वाले 22 साल के युवक पर इसी इलाके में रहने वाली 16 साल की नाबालिग लड़की से दोस्ती कर के उसके साथ दुष्कर्म किया, जिसकी शिकायत मिलने पर पनवेल शहर पुलिस ने उक्त युवक को दुष्कर्म और पॉक्सो धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है. कोर्ट इस युवक को 10 नवंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है. पुलिस के अनुसार उक्त मामले में गिरफ्तार आरोपी पेठगांव में रहता है.

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from
Geeta Assandas Ailani
to now My New Name is
Geeta Rajesh Keswani.
So all the public now call me
Geeta Rajesh Keswani.
(Add: C/704, KALPAVRUKSHAA GARDEN, NR L P SAVANI INTERNATIONAL SCHOOL, OPP. NAKSHATRA HEIGHTS,PAL- SURAT- 395009).

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099